भौतिक शक्ति माया का भगवान के बिना अस्तित्व नही है।
भौतिक शक्ति माया भगवान के आसपास नही फटक सकती।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

माया भगवान की दैवी शक्ति है। शक्ति शक्तिमान के बिना अस्तित्व में नही रह सकती। जैसे लोहे को खींचना ये चुंबक की शक्ति है, वो बगैर चुंबक के अस्तित्व में नही रह सकती। चुंबक है तो चुंबकत्व है। इसी प्रकार भौतिक शक्ति माया का भगवान के बिना अस्तित्व नही है।

लेकिन माया तो दुःखदायिनी है। हम लोग दुःखी है क्योंकि हम माया के प्रभाव में है। माया जीवों को पीड़ित करती है। पीड़ा देना भगवान का गुणधर्म नहीं है। भगवान तो सुख स्वरूप है। उनको पाकर जीव अनंत जीवन, अनंत ज्ञान, अनंत आनंद का उपभोग करता है। माया जड़ शक्ति है जबकि भगवान चैतन्य है। ये कैसे संभव है? हमारा सिर चेतन है। उसमें मारो तो लगता है। लेकिन उससे जो बाल निकलते है वो जड़ होते है। उनको काट दो तो कोई दर्द नही होता। जब चेतन सिर से जड़ बाल का अस्तित्व है तो चेतन भगवान से जड़ माया का अस्तित्व क्यों नही हो सकता?

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

हम पानी में सूरज के प्रतिबिंब देखते हैं। इस प्रतिबिंब का सूर्य के बिना अस्तित्व नहीं हो सकता। लेकिन सूर्य के गुणधर्म अपने प्रतिबिंब में मौजूद नहीं है। ऐसेही हर जगह भगवान व्याप्त होते हुए भी माया के परदे के कारण हमें भगवान के सुख का अनुभव नही हो सकता। सूर्य का प्रतिबिंब सूर्य के अंदर नही घूस सकता। सूर्य का प्रतिबिंब सूर्य से हमेशा दूर ही रहता है। इसी तरह

भौतिक शक्ति माया भगवान के बिना काम नहीं कर सकती लेकिन माया भगवान से दूर ही रहती है।
भगवान के लोक में शाश्वत और अनंत आनंद है, वहा माया प्रवेश नही कर सकती।

www.shreeradha.com
shreeradha.eschool@gmail.com
WhatsApp +91 94232 09132

इस प्रकार
भौतिक शक्ति माया का भगवान के बिना अस्तित्व नही है।
भौतिक शक्ति माया भगवान के आसपास नही फटक सकती।